हिंदी पखवाड़ा समारोह-2023

राष्ट्रीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी

राष्ट्रीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी

प्राकृतिक संसाधनों से देश के उन्नयन विकाश में आधुनिक तकनीकों का योगदान

25 सितम्बर 2023

NABL द्वारा मान्यता प्राप्त प्राकृतिक वस्त्र परीक्षण प्रयोगशाला

भा. कृ. अनु. प. - राष्ट्रीय प्राकृतिक रेशा अभियांत्रिकी
एवं प्रौद्योगिकी संस्थान

12 - रीजेंट पार्क - कोलकाता, 700040

http://www.nirjaft.res.in/

संस्थान द्वारा विभिन्न प्रकार के प्राकृतिक रेशों यानी जूट, हेम्प, सन, बिछुआ, रेमी, याक के बाल और उनके मिश्रण का उपयोग कर परिधान और घरेलू वस्त्रों जैसे शॉल, साड़ी और पर्दे के साथ-साथ प्राकृतिक फाइबर आधारित जीवन शैली उत्पाद - हस्तशिल्प, आभूषण, शॉपिंग बैग, सैनिटरी नैपकिन, चमड़े के वैकल्पिक उत्पाद आदि के अभिनव समाधान विकसित किए हैं। प्राकृतिक और बायोडिग्रेडेबल उत्पादों के प्रति उपभोक्ताओं की पसंद में बदलाव के कारण इन प्रौद्योगिकियों का राष्ट्रीय और वैश्विक बाजार में आशाजनक भविष्य है। संस्थान के पास एग्री-बिजनेस इनक्यूबेशन सेंटर के तहत देश के विभिन्न हिस्से में उद्यमियों का मजबूत नेटवर्क है। संस्थान द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियां उद्योग साझेदारी के माध्यम से व्यावसायीकरण के लिए तैयार हैं और आगामी संगोष्ठी के दौरान प्रदर्शित की जाएंगी। संस्थान को हाल ही में, "राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (NABL)" द्वारा मान्यता प्राप्त हुई है जिसके तहत संस्थान वस्त्र उद्योग की व्यावसायिक गतिविधियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वैज्ञानिक संगोष्ठी देश के उद्योगपतियों के साथ पदचिह्न बनाने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा। यह आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन के लिए रोडमैप दिखाएगा और जी20 घोषणा 2023 के अनुरूप देश के सतत विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

वैज्ञानिक संगोष्ठी का उद्देश्य

"प्राकृतिक संसाधनों से देश के उन्नयन विकाश में आधुनिक तकनीकों का योगदान" विषय पर राष्ट्रीय हिंदी वैज्ञानिक संगोष्ठी का प्रमुख उद्देश्य अकादमिक, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और शोध विद्वानों के बीच विगत वर्षो में भारत के द्वारा विकसित की गई उन्नत एवं आधुनिक तकनीकों के बारे में ज्ञान साझा करना है। साथ ही, कृषि प्रौद्योगिकी और वस्त्र उद्योग के सभी पहलुओं पर अपने अपने अनुभवों और शोधों को आदान प्रदान करने के लिए एक उचित माध्यम प्रदान कराना है।

पंजीकरण

कृषि अभियांत्रिकी, रोबोटिक्स, मैकेट्रॉनिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यंत्र (मशीन) अधिगम, इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स एवं अन्य सूचान एवं प्रसारण प्रौद्योगिकी तकनीकों का कृषि में उपयोग, कपड़ा निर्माण प्रौद्योगिकी, प्राकृतिक संसाधन फसल विज्ञान, बागवानी, पशु विज्ञान, वानिकी, पर्यावरण, जल एवं अन्य प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, कृषि शिक्षा, कृषि विस्तार एवं अन्य विषय से संबंधित शोध सारांश नीचे दिए हुए ईमेल में भेजें।

ईमेल: prateek07shrivastava@gmail.com; manisha.jagadale.123@gmail.com

सहभागिता के लिए पंजीकरण कराना आवश्यक है। पंजीकरण निःशुल्क है। वैज्ञानिक संगोष्ठी ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों प्रारूप में आयोजित की जाएगी।

सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए प्रतिभागी प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं सांत्वना पुरुस्कार से सम्मानित किये जायेंगे।

महत्वपूर्ण तिथियां

पंजीकरण एवं सारांश प्राप्त होने की अंतिम तिथि	**: 21 सितम्बर 2023**
प्रस्तुतीकरण के लिए सहमति	**: 23 सितम्बर 2023**

लक्षित प्रतिभागी

कृषि वैज्ञानिक, शिक्षक, कृषि प्रचार प्रसार अधिकारी कृषि यन्त्र निर्माता स्नातक स्नाकोत्तर विद्यार्थी, किसान आदि इस वैज्ञानिक संगोष्ठी में सम्मलित हो सकते है। ऑनलाइन भागीदारी के लिए, कार्यक्रम की लिंक, उपयोग कर्ता नाम, पासवर्ड आदि व्हाट्सप्प अथवा ईमेल के माध्यम से प्रदान की जाएगी।

शोध पत्र प्रस्तुति हेतु अनुदेश

- प्रतिभागी वैज्ञानिक संगोष्ठी में अपने शोध कार्यो की प्रस्तुति मौखिक व्याख्यान के माध्यम से कर सकते है।
- मौखिक व्याख्यान (प्रस्तुतीकरण) के लिए प्रत्येक प्रतिभागी को 15 मिनिट (10 मिनिट प्रस्तुतीकरण के लिए 5 मिनिट संवाद के लिए) का समय दिया जायेगा।
- मौखिक प्रस्तुतीकरण के लिए अधिकतम 8 स्लाइड की अनुमति दी जाएगी।

वैज्ञानिक संगोष्ठी में प्रस्तुत शोध पत्र के सारांश एक स्मारिका के रूप में प्रकाशित किये जायेंगे एवं चयनित शोध पत्र संस्थान द्वारा प्रकाशित "देवांजलि" के विशेषांक में प्रकाशित किये जायेंगे।

वैज्ञानिक संगोष्ठी का प्रारूप

वैज्ञानिक संगोष्ठी में 3 तकनीकी सत्र होंगे :

पूर्ण अधिवेशन: "प्राकृतिक संसाधनों से देश के उन्नयन विकाश में आधुनिक तकनीकों का योगदान" एवं **"राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनऐबीएल)"** से संबंधित विषय पर देश के प्रख्यात एवं सम्मानित अकादमिक, वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और शोध विद्वानों के मुख्य व्याख्यान

- तकनीकी सत्र 1: कृषि अभियांत्रिकी, रोबोटिक्स, मैकेट्रॉनिक्स, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, यंत्र (मशीन) अधिगम, इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स एवं अन्य सूचना एवं प्रसारण प्रौद्योगिकी तकनीकों का कृषि में उपयोग, कपड़ा निर्माण प्रौद्योगिकी,एवं प्राकृतिक संसाधन से संबंधित अन्य विषय
- तकनीकी सत्र 2: फसल विज्ञान, बागवानी, पशु विज्ञान, वानिकी, पर्यावरण, जल एवं अन्य प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, कृषि शिक्षा, कृषि विस्तार एवं अन्य विषय

आयोजन समिति

डॉ. डी. बी. शाक्यवार, निदेशक	**अध्यक्ष**
डॉ. एल. के. नायक, विभागाध्यक्ष, प्रौद्यो. स्था. विभाग	**आयोजन सचिव**
इंजी. प्रतीक श्रीवास्तव, वैज्ञानिक	**सह- आयोजन सचिव**
डॉ. वी. बी. शम्भू, प्रधान वैज्ञानिक	**सदस्य**
इंजी. सुजय दास, वैज्ञानिक	**सदस्य**
इंजी. मनीषा जगदाले, वैज्ञानिक	**सदस्य**
श्री आर के मिश्रा, तकनीकी अधिकारी	**सदस्य**